



संक्षिप्त खबरे

विरोध प्रदर्शन के दौरान राँन उत्पीड़न के आरोपों की जांच शुरू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चुनाव आयोग प्रमुख ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली और मुंबई में विरोध प्रदर्शनों तीसरे दिन भी जारी रहे। इस बीच दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच शुरू कर दी। देसी उत्पाद खोजें चुनाव आयोग प्रमुख ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन रविवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। दिल्ली और मुंबई में हजारों प्रदर्शनकारियों और विपक्षी दलों ने मतदाता सूची सशोधन प्रक्रिया के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इस प्रक्रिया के दौरान लाखों पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। स्तवत संवर्कपदह के, विरोध प्रदर्शन की शुरुआत शुक्रवार को हुई थी। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बड़े पैमाने पर हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण या एसआईआर अभियान में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। हालांकि चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज किया है। आयोग का कहना है कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची से दोहराव, मृत अथवा अयोग्य नामों को हटाने और चुनावी प्रक्रिया स्वच्छ बनाए रखने के लिए चलाई गई थी। पुलिस पर आरोप रविवार को दिल्ली में प्रदर्शनकारी शाम के समय जुटना शुरू हुए, जिसके बाद पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया। पिछले दो दिनों के दौरान भी पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जमा होने से रोका था ।

कांग्रेस ने सिख्वा क्रांति के दावों पर पंजाब सरकार की आलोचना की

चंडीगढ़, (एजेंसी)। विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने रविवार को पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के 'सिख्वा क्रांति' के बहुचर्चित दावों पर हमला बोला। बाजवा ने कहा कि सरकार के एक विधायक ने शिक्षा व्यवस्था में गंभीर खामियों को सार्वजनिक रूप से उजागर किया है। समाचार पढ़ें बाजवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के राज्य के सरकारी स्कूलों को बदलने के बार-बार किए गए दावे विधायक सुखवीर सिंह मैसराखाना द्वारा उठाए गए मुद्दों से बिल्कुल उलट हैं। सुखवीर सिंह मैसराखाना ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में शिक्षकों की कमी और सरकारी स्कूलों के कामकाज को लेकर सार्वजनिक रूप से शिकायतें की थीं। स्तवत संवर्कपदह के, बाजवा ने एक बयान में कहा कि भगवंत मान चाहे 'सिख्वा क्रांति' का नारा दोहराते रहें, लेकिन पंजाब के सरकारी स्कूलों की हकीकत को छुपाना मुश्किल होता जा रहा है। जब आम आदमी पार्टी का एक मौजूदा विधायक सार्वजनिक रूप से कहता है कि उसके अपने बच्चे सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं और छात्रों को प्रभावित करने वाली शिक्षकों की कमी के बारे में कितना व्यक्त करता है, तो यह आम आदमी पार्टी के प्रचार और जमीनी हकीकत के बीच बढ़ती खाई को उजागर करता है।

सीएम योगी ने एसआईआर को बताया लोकतांत्रिक विरासत मजबूत करने का प्रयास, युवाओं से की ये अपील

लखनऊ, (संवाददाता)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (ए) को लोकतांत्रिक विरासत को और सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण प्रयास बताया है। उन्होंने मतदाता सूची में दर्ज मृतक, स्थायी रूप से स्थानांतरित और दुष्प्लीकेट प्रविष्टियों के नियमानुसार सत्यापन की जरूरत बताई। साथ ही 18 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले युवाओं से मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने की अपील की। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भारत युगों से लोकतांत्रिक मूल्यों का संरक्षक रहा है। भारत निर्वाचन आयोग की ओर

से संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण अपने लोकतांत्रिक विरासत को और मजबूत करने का महत्वपूर्ण प्रयास आवश्यक है। सीएम योगी ने कहा कि सभी जागरूक मतदाताओं को ध्यान रखना चाहिए कि मतदाता



हैं। उन्होंने कहा कि मृतक, स्थायी रूप से स्थानांतरित और दुष्प्लीकेट प्रविष्टियों का नियमानुसार सत्यापन

सूची में अवैध रूप से दर्ज अपात्र नामों की पहचान कर उन्हें नियमानुसार हटाना जरूरी है।

उन्होंने इसे भारत की सुरक्षा, एकता और अखंडता के लिए अनिवार्य बताया। सीएम ने कहा, भेरी अपील है कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे प्रत्येक युवा साथी अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य जुड़वाएं। उन्होंने युवाओं से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। अंत में सीएम योगी ने लोगों से शुद्ध, सशक्त और पारदर्शी मतदाता सूची के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि सही और पारदर्शी मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

आइची-नागोया में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दी बधाई



पिछले संस्करण की तुलना में 21 पदक कम हैं। देश को भारतीय दल के हर सदस्य पर गर्व है, जिन्होंने समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "हमारे सभी पदक विजेताओं, विशेष रूप से शानदार प्रदर्शन करने वाली हमारी महिला खिलाड़ियों को बधाई।" राष्ट्रपति ने कहा, "हमारे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, कौशल और दृढ़ता ने देश को बहुत सम्मान दिलाया है।" आइची-नागोया एशियाई खेलों में भारत 85 पदकों (21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य) के साथ पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा। यह चीन के हांगझोउ में हुए

पिछले संस्करण की तुलना में 21 पदक कम हैं। देश को भारतीय दल के हर सदस्य पर गर्व है, जिन्होंने समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ भारत का प्रतिनिधित्व किया।" राष्ट्रपति ने सभी खिलाड़ियों को उनके खेल जीवन में निरंतर सफलता और आगे भी कई उपलब्धियां हासिल करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

नवरात्रि दशहरा व दीपोत्सव से पहले रामनगरी हुई गुलजार एक बार फिर राम मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों में बढ़ी श्रद्धालुओं की भीड़



(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) अयोध्या [नवरात्रि, दशहरा और दीपावली करीब आते ही रामनगरी में श्रद्धालुओं की भीड़ एक बार फिर बढ़ने लगी है। देखे जाये तो पितृपक्ष से देश के अलग-अलग हिस्सों से पहुंच रहे श्रद्धालुओं के जत्थों से

रामपथ से लेकर रामजन्मभूमि परिसर और प्रमुख मंदिरों तक रौनक लौट आई है। दिन में जय श्रीराम के जयकारों से गुंजती रामनगरी और रात में जगमगाते प्रमुख मार्ग दीपोत्सव के करीब आने का अहसास करा रहे हैं। रामलला के दर्शन के साथ श्रद्धालु हनुमानगढ़ी, कनक भवन, सरयू घाट

और अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों पर भी पहुंच रहे हैं। बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों से समूहों में श्रद्धालुओं के आने से होटल, धर्मशाला, होमस्टे, रेस्टोरेण्ट, ऑटो-ई-रिक्षा, प्रसाद, फूल-माला और धार्मिक सामग्री के कारोबार में भी तेजी आई है। वही कारोबारियों को दीपोत्सव तक श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। जिससे उनके व्यवसाय में भी बढोतरी होने की उम्मीद है। दीपोत्सव से पहले अयोध्या की रातें भी रोशनी से नहाने लगी हैं। धर्मपथ, रामपथ, रीडगंज ओवरब्रिज के सामने से देवकाली होते हुए अंबेडकरनगर मार्ग, क्षीरसागर, मोहबरा चौराहा, परिक्रमा मार्ग समेत अन्य प्रमुख मार्गों पर लगी आकर्षक लाइटें रात में रामनगरी की खूबसूरती बढ़ा रही हैं। लोक निर्माण विभाग प्रांतीय

खंड 4, और नगर निगम के प्रयासों से जगमगाते प्रमुख मार्गों को देखकर ऐसा अहसास होने लगा है कि दीपोत्सव का पर्व अब दूर नहीं। रात में रोशनी और दिन में श्रद्धालुओं की भीड़ से रामनगरी का माहौल अभी से उत्सव जैसा नजर आने लगा है। आने वाले दिनों में नवरात्रि, दशहरा और दीपावली के साथ यह रौनक और बढ़ने की उम्मीद है। इस संबंध में लोनिवि प्रांतीय खंड 4 के सहायक अभियंता सत्येंद्र सिंह ने बताया कि आगामी दीपोत्सव दीपावली के साथ-साथ परिक्रमा को देखते हुए इन मार्गों पर फैंसी लगाई गई है जो भी वर्तमान समय में जल रही है और जरूरत पड़ने पर और भी जगह लगाई जाएगी जिससे कि दीपोत्सव दीपावली के दिनों में रामनगरी एक बार फिर त्रेता युग की तरह प्रतीत हो।

रोगी फिर सरकार बनाएं तो प्रदेश के स्कूलों में पढ़ाया जाए वैदिक गणित – राजनाथ सिंह

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर) अयोध्या [रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को अयोध्या के रानोपाली स्थित उदासीन आश्रम में आयोजित गुरु पर्व महोत्सव में हिस्सा लिया। इससे पहले उन्होंने हनुमानगढ़ी और श्रीराम मंदिर में दर्शन-पूजन किया। आश्रम पहुंचने पर संतों ने माल्यार्पण और अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत किया। गुरु पर्व महोत्सव को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि यदि योगी आदित्यनाथ दोबारा प्रदेश की सरकार बनाते हैं तो वह उनसे आग्रह करेंगे कि उत्तर प्रदेश के सभी विद्यालयों में वैदिक गणित की पढ़ाई शुरू कराई जाए। उन्होंने वैदिक गणित को भारतीय ज्ञान परंपरा की महत्वपूर्ण



उपलब्धि बताते हुए कहा कि इसकी विशेषता विदेशों में भी स्वीकार की गई है। उन्होंने दावा किया कि लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में भी वैदिक गणित पढ़ाई जाती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि योगी सरकार के संरक्षण

में शासन व्यवस्था के साथ सनातन व्यवस्था भी उत्कर्ष की ओर बढ़ रही है। उन्होंने अयोध्या को महज भौगोलिक स्थान नहीं, बल्कि चेतना, संस्कृति और सभ्यता का केंद्र बताया। कहा कि भगवान श्रीराम ने अयोध्या की

धरती को पवित्र किया और यहां से धर्म, न्याय एवं मर्यादा का संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचा। कहा कि संतों के त्याग को हमेशा याद रखा जाए। गामांग मंदिर आंदोलन में संतों के योगदान को याद करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि संतों ने आंदोलन के दौरान जेल की यातनाएं सहई और अनेक लोगों ने बलिदान दिया। उनके त्याग और योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। इस दौरान राजनाथ सिंह ने श्री नारायण संस्कृत महाविद्यालय के नवनिर्मित भवन का भी अवलोकन किया और इसकी सराहना की। हालांकि आचार संहिता लागू होने के कारण वह भवन का औपचारिक उद्घाटन नहीं कर सके।

वर्तमान एसआईआर प्रक्रिया दशकों पुरानी परंपरा का ही अगला चरण– मुख्यमंत्री फडणवीस

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया का समर्थन किया है। उन्होंने सोमवार को कहा कि एसआईआर कोई नई बात नहीं है। बल्कि, ये एक जरूरी प्रक्रिया है, जिसे चुनाव आयोग दशकों से समय-समय पर अपनाता रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, "भारत की चुनावी व्यवस्था में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया कई दशकों से चली आ रही है। मतदाता सूचियां सटीक और विश्वसनीय बनी रहें, यह सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने विभिन्न चरणों में इन सूचियों का गहन संशोधन किया है।" इस दौरान, सीएम फडणवीस ने एसआईआर प्रक्रिया का इतिहास बताया। उन्होंने पोस्ट किया, "1952 से 1956 की अवधि में चुनाव आयोग ने देश के अधिकांश हिस्सों में मतदाता सूचियों का व्यापक पुनरीक्षण किया। उसके बाद 1957, 1961, 1965 और 1966 में भी देश के अधिकांश हिस्सों में पुनरीक्षण किया गया। आगे 1983-84, 1987-89, 1992, 1993 और 1995 की अवधि में भी वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर बदलाव किए गए। चुनाव आयोग ने 2002, 2003 और 2004 में फिर से मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण किया।" उन्होंने कहा कि व्यापक पुनरीक्षण के दौरान घर-घर जाकर मतदाताओं से जानकारी लेना, मतदाता गणना फॉर्म वितरित करना व जमा करना और मतदाताओं के रिकॉर्ड का सत्यापन करना शामिल होता है। व्यापक पुनरीक्षण के तहत मतदाताओं की गिनती के जरिए मतदाता सूचियों को नए सिरे से तैयार करने की प्रक्रिया पूरी की जाती है। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि तेजी से हो रहे शहरीकरण और नागरिकों के बार-बार होने वाले पलायन के कारण भी मतदाता सूची में बड़े बदलाव हुए हैं।

मुंबई, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों का अगला चरण कारोबारियों के लिए अनुपालन को और आसान बनाएगा तथा रिफंड प्रक्रिया को अधिक सरल और तेज करेगा। उन्होंने कहा कि इससे उद्योग जगत का विश्वास बढ़ेगा, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को मजबूत आधार मिलेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने पीएम मोदी के हवाले से यह बात वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के उस लेख का उल्लेख करते हुए कही, जिसमें उन्होंने अगले चरण के जीएसटी सुधारों की रूपरेखा प्रस्तुत की है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी के जीएसटी सुधार कर प्रणाली को अधिक

ने अपने लेख में कहा कि प्रस्तावित प्रक्रिया सुधारों का उद्देश्य करदाताओं के अनुपालन में लगने वाले समय और लागत को कम करना है। सरकार चाहती है कि कारोबारी वर्ग को कम कागजात कार्रवाई और अधिक सुविधा मिले। वित्त मंत्री ने सितंबर 2025 में लागू हुई दर युक्तिकरण प्रक्रिया के बाद जीएसटी संग्रह और कर योग्य आपूर्ति के प्रदर्शन का भी इस बीच, आगामी जीएसटी परिषद की बैठक में एक महत्वपूर्ण कानूनी मुद्दे पर भी चर्चा हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, परिषद इस बात पर विचार कर सकती है कि जीएसटी कानून में मौजूद वह प्रावधान हटाया जाए या नहीं, जिसके तहत जांच के दौरान कर अधिकारियों को करदाताओं की गिरफ्तारी का अधिकार प्राप्त है।



जीएसटी के अगले चरण के सुधारों से कारोबार करना होगा और आसान, अनुपालन प्रक्रिया होगी सरल – पीएम मोदी



क सरल, पारदर्शी और पूर्वानुमान योग्य बना रहे हैं, जिससे व्यवसायों और परिवारों दोनों को लाभ मिल रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की प्रक्रियाओं को सरल बनाना होगा। जीएसटी परिषद की 7 अक्टूबर को होने वाली बैठक से पहले सीतारमण

दोनों लक्ष्यों को एक साथ हासिल कर रहा है। उन्होंने बताया कि आगामी सुधारों का मुख्य फोकस रजिस्ट्रेशन, रिटर्न फाइलिंग, रिफंड, विवाद निपटान और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की प्रक्रियाओं को सरल बनाना होगा। जीएसटी परिषद की 7 अक्टूबर को होने वाली बैठक से पहले सीतारमण

भारत विकास परिषद नोएडा द्वारा कराई जा रही कथा में शुक्रदेव आगमन से शिव-सती चरित तक गूंजा भक्तिरस, भागवत कथा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब



ब्यूरो चीफ धसत्य प्रकाश उपाध्याय नोएडा, सेक्टर-33 स्थित शिल्प हाट के निकट हेलीपैड ग्राउंड में भारत विकास परिषद, नोएडा की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन श्रद्धा और भक्ति को दूसरे दिन श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। कथा व्यास आचार्य मृदुल कांत शास्त्री ने श्रीमद्भागवत महात्म्य के साथ शुक्रदेव आगमन, कपिल अवतार और शिव-सती चरित के प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। आचार्य मृदुल कांत शास्त्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और सदाचार की दिशा दिखाने वाला दिव्य मार्ग है। उन्होंने पितृ पक्ष में मात्स्यार्पण एवं शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया। कथा के मुख्य

का स्मरण, कथा श्रवण और पितरों का श्रद्धापूर्वक स्मरण आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। कथा के दौरान पूरा पंडाल "जय श्री राधे", "नमो भगवते वासुदेवाय" के जयघोष से गूंज उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सपरिवार कथा का श्रवण किया। मुख्य अतिथि डीएसपी ट्रेफिक, नोएडा आर.एन. मिश्रा और प्रवीण रंजन ने व्यास पीठ का नमन किया। वहीं, आचार्य कृष्णकांत शास्त्री और जगद्गुरु सुदामा कुटी जी महाराज की उपस्थिति ने आयोजन की आध्यात्मिक गरिमा बढ़ाई। इस अवसर पर गोपाल कृष्ण अग्रवाल और मधुसूदन दादू ने आचार्य मृदुल कांत शास्त्री के मात्स्यार्पण एवं शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया। कथा के मुख्य

यजमान डॉ. वी.के. गुप्ता एवं श्रीमती रीना गुप्ता रहे। भारत विकास परिषद, नोएडा के अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कथा स्थल पर पेयजल, पार्किंग, सुरक्षा और स्वच्छता की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। प्रतिदिन कथा के बाद भंडारा एवं प्रसाद की भी व्यवस्था की जा रही है। कार्यक्रम में परिषद के सचिव अखिलेश भदौरिया, कोषाध्यक्ष अक्षय पारीक, महिला सहभागिता संयोजिका सुनीता मिश्र, पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक डॉ. टी.एन. गोविल, शाखा संरक्षक प्रताप मेहता, विपिन मल्हन, केशव गंगल, एन.के. अग्रवाल, रामरतन शर्मा, राकेश कत्याल, पंकज जिंदल, मुकुल वाजपेयी सहित परिषद के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

भाजपा की लिस्ट स्मृति ईरानी की पहली प्रतिक्रिया, व्यक्तिगत रूप से

नई दिल्ली, (एजेंसी)। यूपी राज्यसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने सोमवार (5 अक्टूबर) को उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी। सियासी गलियारे में चर्चा थी कि स्मृति ईरानी को मौका मिल सकता है। लेकिन पार्टी की लिस्ट ने चौंका दिया। रस में जिन बड़े चेहरों के नाम आगे चल रहे थे उनका नाम इसमें शामिल नहीं है। इस बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने उम्मीदवारों को बधाई दी है। अपने एक्स पोस्ट में उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा उत्तर प्रदेश में होने वाले राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव 2026 हेतु सभी घोषित प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। संगठन एवं लोकसेवा के क्षेत्र में प्रियंका सिंह रावत का सशक्त योगदान तथा सामाजिक रूप से वंचित वर्गों को शिक्षा एवं उद्यमिता के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए श्रुति गंगवार का समर्पण, दोनों बहनों का राज्यसभा चुनाव हेतु संगठन द्वारा चयन किया जाना, व्यक्तिगत रूप से गर्व का विषय है। आगामी चुनाव में आप सभी के शानदार विजय के लिए मंगलकामनाएं।



संपादकीय

एम हेल्प वॉटर की धारा

सेवा संकल्प अभियान केवल सेवा कार्यो तक सीमित नही, बल्कि जनभागीदारी से आत्मनिर्भर और सशक्त समाज के निर्माण का संकल्प भी है। इसी भावना को ग्राम डुमरिया की श्रीमती मुन्नी बाई राजवाड़े अपने उद्यम के माध्यम से साकार कर रही हैं। कभी खेतों में मजदूरी और छोटे-मोटे काम करके परिवार चलाने वाली मुन्नी बाई आज सरकारी योजनाओं के सहयोग से सफल महिला उद्यमी बन चुकी हैं। बिहान योजना से स्वयं सहायता समूह का संबल मिला, प्रशिक्षण से आत्मविश्वास बढ़ा और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) ने उनके सपने को कारोबार में बदलने का आर्थिक आधार दिया। आज वे स्वयं आत्मनिर्भर हैं और करीब 10 लोगों को रोजगार भी दे रही हैं। मुन्नी बाई बिहान योजना के अंतर्गत महालक्ष्मी महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ी। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आजीविका गतिविधियों का प्रशिक्षण मिला। रायपुर में प्रशिक्षण के दौरान उन्हें पीएमईजीपी की जानकारी मिली। योजना से प्रभावित होकर उन्होंने जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र पहुंचकर विस्तृत जानकारी ली और अपना व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया। परिवार की सीमित आर्थिक स्थिति के बावजूद उन्होंने गांव में जमीन लेकर पैकड पेयजल प्लांट स्थापित करने का फैसला किया। कई महीनों की प्रक्रिया के बाद पीएमईजीपी के तहत करीब 25 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। ऋण एवं उपलब्ध सहायता से शेंड, बारंडी और बोरेल सहित आवश्यक व्यवस्था तैयार की गई। प्रशिक्षण के बाद उन्होंने एम हेल्प वॉटरश्व पैकड पेयजल प्लांट शुरू किया। एक उद्यम से 10 लोगों को रोजगार मुन्नी बाई का व्यवसाय अब केवल उनके परिवार की आजीविका तक सीमित नहीं है। प्लांट में उनके पति, बेटा-बेटी, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं तथा अन्य कर्मचारी कार्य कर रहे हैं। करीब 10 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है और कर्मचारियों को 6 से 9 हजार रुपये तक प्रतिमाह वेतन दिया जा रहा है। पानी की गुणवत्ता जांच से लेकर बोलत भरने और पैकेजिंग तक के कार्य के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। इससे ग्रामीण महिलाओं को गांव में ही रोजगार और नए कौशल का अवसर मिला है। गांव से कई जिलों तक पहुंचा कारोबार मुन्नी बाई के अनुसार पिछले एक वर्ष में करीब एक से डेढ़ लाख पानी की बोतलों की पैकिंग की जा चुकी है। बैकुण्ठपुर के साथ मनेंद्रगढ़, चिरमिरी, अंबिकापुर, प्रतापपुर, विश्रामपुर, सूरूपपुर, भैयाथान और कुदरगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों में एम हेल्प वॉटरश्व की आपूर्ति की जा रही है। महालक्ष्मी महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद मिली वित्तीय सहायता, बैंक लिंकेज, प्रशिक्षण और उद्योग विभाग के अभिसरण से पीएमईजीपी का सहयोग उनके उद्यम की सफलता में महत्वपूर्ण साबित हुआ। मुन्नी बाई ग्रहणमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि पीएमईजीपी जैसी योजनाओं ने उन्हें अपना व्यवसाय शुरू करने का अवसर दिया। सरकारी सहयोग और मार्गदर्शन से आज वे अपने पैरों पर खड़ी हैं और दूसरों को भी रोजगार दे पा रही हैं। मुन्नी बाई की कहानी बताती है कि सरकारी योजनाओं का लाभ जब जनभागीदारी, संकल्प और मेहनत से जुड़ता है, तो उसका प्रभाव एक परिवार से आगे बढ़कर पूरे समाज तक पहुंचता है। एक महिला आत्मनिर्भर बनती है, रोजगार के अवसर पैदा करती है और गांव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहभागी बनती है। सेवा संकल्प अभियान की भावना की यही है—सेवा के साथ जनभागीदारी, आत्मनिर्भरता विकसित समाज के निर्माण में हर व्यक्ति की भागीदारी। मुन्नी बाई इसी संकल्प की एक प्रेरक तस्वीर हैं।

देश में बड़े बदलाव की शुरुआत

नरेंद्र मोदी को सामने इस समय राहुल गांधी ने फिर से एक चुनावी तोष पेश कर दी है। भाजपा, नरेंद्र मोदी, अमित शाह और ज्ञानेश कुमार ने चुनाव में धांधली की है। हम इसे चुपचाप बर्दाश्त नहीं करेंगे। भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने वालों को दंडित किया जाएगा, चाहे वे कितने भी लोकतंत्र पर क्यों न हों। भारत के लोकतंत्र से बड़ा कोई नहीं है। यह कहते हैं कि साल भर के भीतर मोदी सरकार चली जाएगी। उन्होंने दावा किया है कि अब मोदी सरकार का इन्फ्लेशन बढ़ रहा है और भारत से ही जानकारी बाहर आ रही है। यह बात पहले से मोदी सरकार के लिए परेशानी का सबब थी और अब मोदी सरकार की बैठक में भाजपा और चुनाव आयोग को और ज्यादा डरा दिया है पिछले हफ्ते द इंडियन एक्सप्रेस ने चुनाव आयोग के भीतर ज्ञानेश कुमार के फैंसलों से असहमति का सनसनीखेज खुलासा किया था। इसके बाद से देश भर में विपक्ष ने चुनाव आयोग और मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल लिया। कांग्रेस ने तो देश के तमाम राज्यों में विरोध-प्रदर्शन किए और भाजपा सरकारों ने उन्हें कुचलने की आदतन कोशिश की। इसके बाद मोदी सरकार यह तय हुआ कि 30 सितंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक होने वाली है, फिर से चुनाव आयोग को बचाने की कोशिशें शुरू हो गईं। भाजपा और इंडियन एक्सप्रेस ने तो चुनाव चोरी को नकारते हुए ज्ञानेश कुमार का बचाव कर ही रहे थे, अब बैनर-पोस्टर भी लगाए गए। दिल्ली में राहुल गांधी, अखिलेश यादव जैसे नेताओं पर चुनाव में धार पर तंज करते हुए पोस्टर लगाए गए। इनका पोस्टरर्स में लगाने वालों का नाम नहीं लिखा है, जाहिर है जो कोई भी इनके पीछे है वो उद्देश्य है और छिप कर वार करने में यकीन रखता है। पाटकों को याद होगा कि इससे पहले आठ जून को इंडिया की एक अहम बैठक हुई थी, तब बंगाल चुनाव में धांधली का मामला ताजा था। तब भी राहुल गांधी के खिलाफ ऐसे ही पोस्टर लगे थे। उस बैठक में राहुल गांधी ने इंडियन एक्सप्रेस की राजनीति करने का आह्वान विपक्ष से किया था। विपक्ष के बाकी दल तो खैर अपने एजेंडे और सुविधाओं के हिसाब से ही राहुल गांधी की बात पर आगे बढ़ते हैं, लेकिन इस देश के युवा ने जरूर कहा—अनकहे तरीके से राहुल गांधी की बात पर अमल करना शुरू किया [जंतर-मंतर पर कार्योचर जनता पार्टी के] कहने पर युवा एकत्र हुए, लेकिन उसके बाद सीजेपी की बनाई लकीर से आगे बढ़ते हुए अपना प्रतिरोध मोदी सरकार के खिलाफ दर्ज किया। सोनम वांगचुक ने अनाथन टोडा या सीजेपी के लोगों ने सरकारी मुनाफ़ों से मिलकर आंदोलन चला खत्म करने का ऐलान किया, इन बातों से युवाओं के प्रतिरोध के जम्मे में कोई शक नहीं आती। पिछले दिनों देश के कई राज्यों में अलग-अलग युवा परिषदें आयुवा जिस तरह गलत के विरोध में आंदोलनरत हो रहे हैं, वह इसकी मिसाल देती हैं। इन युवाओं को एक बार फिर साथ आने का आह्वान इंडिया गठबंधन ने 30 सितंबर की बैठक में किया है। ममता बनर्जी ने तो साफ कहा है कि ज्ञानेश कुमार तुरंत इस्तीफा दें वर्ना लंबा आंदोलन चलाया जाएगा। उन्होंने प्रत्येक महिला दलों के अलावा युवाओं, महिलाओं, एनजीओ के साथियों और पत्रकारों समेत समाज के हर एक तबके से लोकतंत्र बचाने की लड़ाई में साथ देने का अपील भी किया है। [दो अक्टूबर से इंडिया गठबंधन देश के हर जिले में लोकतंत्र अचीव ऑर्गनिक निकालने का रहा है, जो आठ अक्टूबर तक निकाला जाएगा]। छह तारीख को सारे सांसद चुनाव आयोग तक मार्च निकालेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू से मिलने का समय भी मांगा जाएगा। इसके अलावा पांच बड़ी राज्यों में अलग-अलग महीने होंगे और एक नवंबर को दिल्ली में विशाल रैली करने का फैसला बैठक में लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट में लंबित एएसआईआर और चुनावी मामलों से संबंधित सभी मामलों के शीघ्र निपटारे की अपील भी इंडिया के नेता करेंगे। यानी मोदी सरकार के खिलाफ प्रतिरोध हर तरीके से तेज किया जाएगा, यह तय हो चुका है।

4 साल में पहली बार एक सूर में बोले रूस और यूक्रेन, दोनों को पसंद आया मोदी का प्रस्ताव

नीरज

चार साल से ज्यादा समय से जंग लाल रहे रूस और यूक्रेन के मोर्चे भले आज भी आमने-सामने हों, लेकिन शांति के सवाल पर दोनों तरफ से निकली आवाज पहली बार एक ही दिशा में जाती दिखाई दी है। और यह दिशा दी है भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भारत के प्रस्ताव को युद्ध समाप्त करने के लिए सामने आया चार प्रस्तावों में सबसे व्यापक बताया है। दूसरी तरफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी खुलकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लगातार इस संघर्ष को खत्म करने का सवाल उठाते रहे हैं और उनके पास दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान के लिए “बहुत अच्छे विचार” हैं। देखा जाये तो युद्ध के मैदान में एक-दूसरे पर हमला कर रहे माँस्को और कीव की तरफ से आई इन टिप्पणियों ने भारत की उस कूटनीतिक पहल को अचानक केंद्र में ला दिया है, जो अब तक बंद कमरों की बातचीत से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखाई देने लगी है। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पहली बार यूक्रेन की ओर से व्यक्त की पहल को

पार्वजनिक रूप से इतनी स्पष्ट मान्यता मिली है। सिबिहा के अनुसार भारत ने पहली बार इस प्रक्रिया में भाग लेना निभाने की इच्छा का संकेत दिया है। यूक्रेन ऊर्जा क्षेत्र और काला सागर में युद्धविराम पर विचार करने को तैयार है, बशर्ते ऊर्जा तथा बंदरगाह ढांचे पर हमले को रुकें। साथ ही कीव ने संपर्क रेखा पर बिना शर्त युद्धविराम के विकल्प को भी खुला बताया है। उधर, भारत की पहल की व्यापकता का सबसे बड़ा संकेत यही है कि यह केवल गोलाबारी रोकने तक सीमित नहीं दिखती। इसमें ऊर्जा सुरक्षा बंदरगाहों, काला सागर में व्यापार और कृषि आपूर्ति जैसे उन क्षेत्रों को जोड़ने की कोशिश है, जिनका सीधे-सीधे संबंध युद्ध से बाहर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा से है। वहीं तुर्किये और मिस्र की पहल मुख्यतः काला सागर तथा अनाज निर्यात से जुड़ी बताई गई है, जबकि अमेरिका की पहल ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले रोकने पर केंद्रित है। यही पुतिन का बयान बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि मोदी रूस के साथ अच्छे और मित्रतापूर्ण संबंध होने के बावजूद लगातार युद्ध समाप्त करने का प्रयत्न

उठाते हैं और दोनों पक्षों के लिए स्वीकारी समाधान खोजने में उनकी गहरी रुचि है। पुतिन ने मोदी की शांतिपूर्ण तरीके से और जल्द से जल्द संघर्ष समाप्त करने के प्रयासों के लिए आभार भी जताया। देखा जाये तो मोदी की यह भूमिका अचानक पैदा नहीं हुई। वर्ष 2022 में ही उन्होंने कहा था कि "यह युद्ध का युग नहीं है।" जुलाई 2024 में रूस की यात्रा के दौरान उन्होंने साफ कहा था कि बम, बंदूक और गोलियों के बीच शांति वार्ता सफल नहीं हो सकती और समाधान युद्धभूमि पर नहीं निकलेगा। 31 अगस्त 2026 को बिश्केक में पुतिन से मुलाकात के दौरान भी उन्होंने "अनंत युद्ध" से "युद्ध की समाप्ति" की दिशा में बढ़ने की बात कही थी। यहीं इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा सामरिक संदेश छिपा है। रूस से भारत के गहरे संबंध हैं, जबकि यूक्रेन के साथ भी भारत ने संवाद के रास्ते खुले रखे हैं। ऐसे समय में यदि भारत रूस तक अपनी बात पहुंचा सकता है और यूक्रेन भी उसकी पहल को व्यापक प्रस्ताव मानता है, तो ईद दिल्ली के पास सिंवाक के लिए एक ऐसा कूटनीतिक स्थान बनता है जो कई पश्चिमी शक्तियों

लिए उपलब्ध नहीं है। दूसरी ओर, इसी कूटनीतिक हलचल के बीच रूस ने अपनी सैन्य शक्ति का भी जबरदस्त प्रदर्शन किया है। दो अक्टूबर को पुतिन ने यूराल क्षेत्र में चल रहे सेंटर-2026 सैन्य अभ्यासों के अंतिम चरण का निरीक्षण किया। रूस के अनुसार इस अभ्यास में लगभग 47 हजार सैनिक, 11 प्रशिक्षण क्षेत्र और कैस्पियन सागर शामिल रहे। अंतिम चरण में करीब छह हजार सैनिक उतरे। चीन, बेलारूस, और ताजिकिस्तान, ताजिकिस्तान, मंगोलिया और पाकिस्तान सहित कई देशों की सेनाएं इसमें शामिल रहीं तथा 55 देशों के प्रतिनिधियों ने अभ्यास देखा। इस अभ्यास में रूस ने करीब 700 सैन्य उपकरणों, 600 से अधिक मानवरहित विमानों और 60 से अधिक रोबोटिक प्रणालियों का इस्तेमाल दिखाया। पुतिन ने नए जेट-चालित जेरान मानवरहित विमानों का भी निरीक्षण किया, जिनका इस्तेमाल रूस यूक्रेन युद्ध में कर चुका है। इसका अर्थ साफ है कि मारको युद्ध से मिले अनुभव को अगली पीढ़ी की युद्ध क्षमता में बदल रहा है। इसका तस्वीर बेहद दिलचस्प है। एक तरफ रूस युद्ध के मैदान में अपनी सैन्य क्षमता, मानवरहित युद्ध



प्रणाली और दूर तक मार करने वाली तकनीक का प्रदर्शन कर रहा है। यही दूसरी तरफ उसी रुस के राष्ट्रपति भारत के प्रधानमंत्री के युद्ध समाप्त करने वाले विचारों की सार्वजनिक रूप से प्रशंसा कर रहे हैं। यही भारत की कूटनीतिक असली परीक्षा और संभावित ताकत दोनों हैं। लेकिन रास्ता आसान नहीं है। यूक्रेन में रुसी हमले जारी हैं। ऊर्जा कांचा लगातार निशाने पर है। और काला सागर में सुखा तथा अनाज आपूर्ति का संकट बना हुआ है। हालिया रीपोर्टों के अनुसार रुस और यूक्रेन दोनों एक-दूसरे के ऊपर तथा इडन क्षेत्रों पर हमले कर रहे हैं। ऐसे माहौल में भारत की चुनौती केवल प्रस्ताव

देने की नहीं, बल्कि प्रस्ताव को युद्धभूमि से वार्ताकक्ष तक पहुंचाने की है। यदि नई दिल्ली रूस और यूक्रेन दोनों से संवाद कायम रखते हुए ऊजा, कृषि, काला सागर और अंततः व्यापक युद्धविराम को एक ही ढांचे में जोड़ पाती है, तो यह केवल एक युद्ध को रोकने की कोशिश नहीं होगी, यह बदलती विषय व्यवस्था में भारत की बढती कूटनीतिक भूमिका का बड़ा प्रमाण बन सकता है। फिलहाल इतना ज़रूरी स्पष्ट है कि मोदी की शांति पहल को अब केवल भारतीय दावा नहीं कहा जा सकता या यूक्रेन से उसे व्यापक प्रस्ताव बताया है और पुतिन ने स्वयं उसके पीछे मोदी की लगातार कोशिशों को स्वीकार किया है।

अब तक विरोधियों से ताकत पाते रहे प्रधानमंत्री मोदी क्या चक्रव्यूह तोड़ पाएंगे

संजय
‘मोदी है तो मुमकिन है’ यह
सिर्फ नारा नहीं है, भरोसा है। प्र.
लामंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 25 सालों
के सत्ताकाल में इसे अर्जित किया
है। चुनावों में इस भावना को ‘मोदी
की गारंटी’ कहा गया। यही विचार
था जो मोदी को संगठन और विचार

होती है, होनी भी चाहिए। कहीं कुछ
भी पूर्ण नहीं है। किंतु दिल्ली में
2014 के बाद आई सरकार ने न
सिर्फ अपनी धमक बनाई वरन्
बदलता हुए हिंदुस्तान भी दिखाया।
यह अलग ही हिंदुस्तान था। जो
आकांक्षओं से भरा-पूरा था। असा
की चारों ओर को फेंक कर कुछ करना



से बढ़ा बना देता है। आज मोदी एक विचार बन चुके हैं। यह विचार है सबको साथ लेकर इस देश को विकसित भारत बनाने का सपना। इस मायने में वे सपनों के सौदागर भी हैं। 'अच्छे दिन आने वाले हैं' से लेकर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास' तक यह सातत्य दिखता है। यह बिल्कुल नई राजनीतिक संस्कृति है और उसका सतत विकास है। ऐसा लगता है कि सुशासन, विकास और संवाद तीन स्तरों से सत्ता ने सब कुछ सीधे लिया है। आलोचना हर सरकार की

चाहता था। आगे बढ़ना चाहता था।
मोदी ऐसे हैं जिन्होंने राजनीतिक
तरीकों और नेताओं की इज्जत थोड़ी-
बढ़ाई ही है। इसके पूर्व का समय
याद करें तो वह 'नीतिगत जड़ता'
का समय था, घोटालों की खबरें से
हलका नाश देश भ्रष्टाचार के विरुद्ध
सड़कों पर था। दिल्ली में एक नई
बनी पार्टी (आप) सत्ता में चुकी थी।
तभी मोदी उम्मीदों का चेहरा बनकर
उभरे और लोगों ने उनमें राष्ट्राध्यक्ष
की छवि देखी। उनका साधारण अतीत
भरोसा दे रहा था कि उन्हें लोगों के
दर्द पता हैं और वे संकटों के ठोस

और वाजिब हल निकालेंगे। इस भरोसे
 ने तीन बार उन्हें केंद्र की सत्ता पर
 न सिर्फ बिठाया बल्कि तमाम राज्यों
 में भी भाजपा और राजकी की सरकारें
 बनीं, जिन्हें डबल इंजन की सरकार
 कहकर संबोधित किया गया। गुजरात
 और दिल्ली के 'सत्ता साकेत' में
 लगभग ढाई दशक पूरे कर चुके
 नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को
 लेकर इस समय विपक्ष और समाज
 के कुछ हिस्से हमलावर हैं। कुछ मुद्दे
 तो खुद उनकी सरकार ने दिए तो
 कुछ विपक्ष प्रायोजित विवाद भी हैं।
 जिसमें पेपरलीक, एनटीए की
 नाकामी, इथेनाल और चुनाव आयोग
 जैसे मुद्दे हैं। नरेटिव की जंग में
 मोदी का मुकाबला नहीं, किंतु हर
 बार ऐसा नहीं होता। ढाई बार
 अतिआत्मविश्वास भी नुकसानदायक
 होता है। जनता सब कुछ कर सकती
 है, किंतु अहंकार स्वीकार नहीं करती।
 सच तो यह है कि विपक्ष के बिखराव
 और आपसी खींचतान के बाद भी
 सरकार न तो सदन चला पाई न
 सामने से उठ रहे सवालों के उत्तर
 दे पाई। ऐसे में सवाल यह उठता है
 कि क्या मोदी थक गए हैं या वे फिर
 गए हैं? सच्चाई तो यह है कि मोदी
 और उनकी पार्टी के संगठन का
 मुकाबला करने की स्थिति में इस
 समय कोई दल या राजनीतिक समूह
 नहीं है। भाजपा अब पुरानी पार्टी
 नहीं रही। इस दौर में उनका जो
 भौगोलिक और सामाजिक विस्तार
 हुआ है, वह अभूतपूर्व है। इसके भरोसे

ही वह तीन बार केंद्रीय सत्ता में आ सकी, जिसमें दो बार उसे पूर्ण बहुमत मिला तो तीसरी बार भी उसने आत्मविश्वास से भरकर सहयोगियों के साथ सरकार बना ली। सत्ता विरोधी रुझान के बाद भी भाजपा का मुख्य प्रतिद्वंदी दल कांग्रेस 100 सीटों का आंकड़ा पार नहीं कर सका। बावजूद इसके इस चुनाव परिणाम से विपक्ष में यह भरोसा तो बना कि भाजपा के अश्वमेध के रथ को रोका जा सकता है। अल्पमत की सरकार होने के बाद भी केंद्र की सरकार भरोसे से भरी है। बड़े फैसले हो रहे हैं। बंगाल के चुनावों की असंभव सीटें दिख रही जीत ने भाजपा के काउंटर में आत्मविश्वास भरा है। इस भरोसे में अब की जीत तो संयुक्त है ही। नए पंजाब और उत्तर प्रदेश के मैदान में डटी भाजपा को यह साबित करना है कि अभी वह चुकी और थकी नहीं हैं। पंजाब में बहुत कमजोर खिलाड़ी होकर भी वह मैदान को जीतने के लिए जिस तरह उतरी है, वह बात साबित करती है कि उसका यह भरोसा अकारण तो बिल्कुल नहीं है। नई नवेली आम आदमी पार्टी की सरकार वहाँ (पंजाब में) दूसरे संघर्ष में बन सकती है तो कोई कारण नहीं भाजपा भी ऐसे स्वप्न देखे। वहीं उत्तर प्रदेश में तो उसके पास योगी आदित्यनाथ जैसा फायर ब्रॉड लीडर है, जिसके पास 10 सालों का सुनहरा अतीत है। सरकार के नेता पर कोई दाग नहीं है। गुंडों पर लगाम है, सरप्लस एकोनामी

है। यानी उत्तर प्रदेश में बहुत कुछ बदल गया है। फिर क्या कारण हैं कि किंगडम मोदी को लेकर तरह-तरह—हैं किंगडम की बातें हो रही हैं। कई जातीय समूह उन पर हमलावर हैं। जबकि इन समूहों द्वारा उठाए जा रहे आरक्षण जैसे विषयों पर राजनीतिक दलों की आम सहमति है। कोई दल इस विषय को छू नहीं सकता। 'समीक्षा' जैसे शब्द पर भी राजनीतिक दल कांप उठते हैं। इस विषय पर मोदी निशाने पर है। हालांकि यह ज्यादातर जंग आनलाईन माध्यमों पर ही लड़ी जा रही है किंतु समाज में इसका जहर लहलहा फैल रहा है, यह कहना गलत होगा। इस बीच यूजीसी गाइडलाइंस में अलग कबाड़ा किया। इससे मोदी विरोधियों को अलग उगलने का मौका मिला। यह तो भला हो सुभीता कोई कि उसने इन प्राक्धानों को रोककर सरकार की लाज बचा ली। सामाजिक समरसता के लिए यह सारे विवाद संधात हैं, किंतु राजनीति का लक्ष्य प्रधानतः अगर समाज को बांटकर ही होना हो तो क्या किया जा सकता है? इसका साथ ही शिक्षा मंत्री धर्मप्र प्रधान को लंबे समय तक झेलते रहना भी सरकार के विरुद्ध गया, अंततः प्रधान तिलचट्टों की अनावश्यक सस्ती राजनीति के शिकार होकर विदा हो गए। इससे गुनागम और जनाधारहीन अनर्जित नवेली 'काक्रोच जनता पार्टी' अनावश्यक चर्चा में आ गयी। इस सबके बाद भी मोदी और भाजपा की शक्ति को कम आंकना गलत होगा।

योगी आदित्यनाथ, हेमंत विश्वशर्मा, शुभेन्द्र अधिकारी, मोहन यादव, विष्णुदेव शास्त्र, नायब सिंह सैनी, मोहन मांझी, देवेन्द्र फडनवीस, सम्राट चौधरी जैसी मुख्यमंत्रियों की टीम को कम आंकना नासमझी होगी। नरेंद्र मोदी ने देश के हर क्षेत्र में सभी सामाजिक समूह के नेताओं की पूरी मलिका खड़ी कर दी है। भाजपा के इस सामाजिक विस्तार को समझे बिना आप मोदी की ताकत को नहीं भांप सकते। इसी तरह भाजपा का भौगोलिक विस्तार अप्रतिम है। भाजपा 'मोदी सरकार' में जम्मू से लेकर कन्याकुमारी तक की लोकसभा सीटें जीत चुकी है। भुवनेश्वर से लेकर मुंबई तक भाजपा की तूती बोल रही है। कांग्रेस और विपक्षी दलों के भरसक प्रयासों के बावद भी मोदी देश की जनता की पहली पसंद बने हुए हैं। सरकार के विरुद्ध असंतोष को वे कैसे समाप्त करते हैं, इसकी पहली बड़ी परीक्षा उत्तर प्रदेश के चुनाव मैदान में होनी है। वहां के परिणाम देश की राजनीति को प्रभावित करेंगे। कई विश्लेषक और ज्योतिष गुरु नरेंद्र मोदी को राष्ट्रपति भवन भेजने और किसी अन्य को प्रधानमंत्री बनाने में लगे हैं, किंतु ऐसा लगता है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा स्वयं को ज्यादा आश्वस्त पाती है। प्रधानमंत्री की सक्रियता और दिनचर्या को देखते हुए यह कहना कठिन है कि वे अभी आसानी से स्थिरावर डाल देंगे। संगठन और सरकार पर उनका पकड़ मजबूत है।

चुनाव आयोग में हलचल- मुख्य मुद्दों पर नजर रखनी जरूरी

परकाला प्रभाकर
चल रही एरआईआर प्रक्रिया का
मकसद सिर्फ किसी खास पार्टी को
चुनाव जिताना नहीं है बल्कि यह
एक बहुत गहरी साजिश की ओर
इशारा करती है— देश में अपनी
पसंद का वोटर बेस तैयार करना।
इसका मकसद भारत को एक ऐसे
गणतंत्र में बदलना है जहाँ आबादी
का सिर्फ कुछ ही हिस्सा राजनीतिक
रूप से अहम रहे। ये हिस्से
गैर—अल्पसंख्यक, गैर—दलित,
गैर—आदिवासी और गैर—हाशिए पर
रहने वाले समुदायों के होंगे।
राजनीतिक विश्लेषण भारत के चुनाव
आयोग में मतमेंदों को लेकर हुए
चौकाने वाले खुलासों ने इसकी
विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े
कर दिए हैं। मीडिया में छपी खबरों
के मुताबिक पिछले चार महीनों के
चुनाव आयोग के सभी सदस्य एक
सुधा कभी नहीं मिले और दो चुनाव
आयुक्तों की असहमति और आपत्तियों
वाली 14 टिप्पणियों पर न तो कोई
ध्यान दिया गया और न ही उनका
मुखाब। इन बातों ने आयोग, खासकर
मुख्य चुनाव आयुक्त के काम करने
के तरीके को सवालों के घेर में ला
खड़ा किया है। आयोग की दो प्रेस
विज्ञप्तियों ने स्थिति को स्पष्ट करने
और लोगों का भरोसा जीतने की
बजाय, आयोग के अस्पष्ट काम—काज

को लेकर जनता के शक को और गहरा दिया है। इन प्रेस विज्ञप्तियों में मीडिया रिपोर्टों में किए दावों को सार्वजनिक सावित करने के लिए कोई-कौन दस्तावेज पेश नहीं किया गया (विपक्षीय दलों के साथ-साथ कई नागरिकों, सामाजिक संगठनों और कार्यकर्ताओं) न रश्पेशल इंटेंसिव रिविजनिंग (एसआईआर) को लागू करने में बरती गई अनियमितताओं पर तीखे सवाल उठाए हैं। वे मुख्य चुनाव आयुक्त महाभियोग चलाने की मांग भी कर रहे हैं। एसआईआर को रद्द करने और मतदाता सूची से हटाए गए सभी नामों को वापस जोड़ने की जोरदार मांगें उठ रही हैं। इस समय सार्वजनिक चर्चाओं में चुनाव आयोग के काम-काज और एसआईआर लागू करने में मुख्य चुनाव आयुक्त के आचरण के विश्लेषण, बातचीत, बहस और चर्चाओं की बाढ़ सी आ गई है। हालांकि कुछ बुनियादी मुद्दे और सवाल हैं जिन्हें सार्वजनिक चर्चा में छाई नहीं मौजूदा बातों से अलग करके देखना जरूरी है ऐसा इसलिए क्योंकि मौजूदा शोर में वे बुनियादी मुद्दे दबा सकते हैं। यद्य भी हो सकता है कि वे देश की लोकतांत्रिक चर्चा के केंद्र से गायब ही हो जाएं। आइए, कुछ श्रव्या होता अगरश्रवण सवालों को शुरूआत करते हैं। क्या होता अगर दौ चुनाव आयुक्तों ने असहमति या

प्राप्ति के नोट न लिखे होते? क्या होता अगर एसआईआर (सिस्टमैटिक वोटर्स लिस्ट अपडेशन) के तरीके को लेकर दोनों चुनाव आयुक्त, मुख्य चुनाव आयुक्त और आयोग के आईटी विभाग के प्रमुख की राय एक जैसी होती? क्या होता अगर इस प्रक्रिया में 'सुनवाई' के लिए कुछ हार्ड-प्रोफाइल लोगों को न बुलाया जाता और नाम हटाने और सुनवाई का निशाना सिर्फ 'कमजोर आवाज वाले अल्पसंख्यक, आदिवासी, दलित, हाशिए पर रहने वाले दिहाड़ी मजदूर और महिलाएं ही बनतीं? क्या होता अगर पश्चिम बंगाल में 16 लाख वोटर्स के नाम हटाने के लिए शर्फामें 78 भरे का फ़ैसला दो दिनों चुनाव आयुक्तों को जानकारी में रखकर और उनकी सहमति से लिया जाता? क्या इन सब बातों से एसआईआर की प्रक्रिया स्वीकार्य हो जाती? इस चर्चा की ज़रूरी बात एसआईआर को लागू करने के तरीके के बारे में नहीं बल्कि इस बात पर होनी चाहिए कि यह हकीकत में भारत के राजनीतिक समाज की प्रकृति पर, व्यक्ति-असर डालेगा? बड़े पैमाने पर, विशेषकर मताधिकार से वंचित करने की उस प्रक्रिया को हमें नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए जिससे भारतीयों के दो वर्ग बन जाएंगे— एक जनिके पास वोट देने का अधिकार होगा

और दूसरे जिनके पास यह नहीं होगा। यह गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए कि एसआईआर के कारण वोटर लिस्ट से 14 करोड़ लोगों के नाम हटा दिए जाएंगे जिसकी वजह वे देश में रहते हुए भी राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेने के अपने जायज अधिकार से वंचित हो जाएंगे। असल



मे यह उन्हें दूसरे दर्जे का भारतीय बना देता है। मौजूदा चर्चा पर इस जहां रिपोर्ट के असर को देखते हुए हमें कम से कम पिछले आठ वर्षों (या उससे भी ज्यादा) में चुनाव कराने के तरीकों में हुई भारी अनियमितताओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। राजनीतिक रूप से अहम कुछ अनियमितताएं इस प्रकार हैं— अलग-अलग राज्यों में वोटिंग के चरणों का अतार्किक बंटवारा आदर्श

आचार संहिता को पक्षपातपूर्ण तरीके से लागू करना जिससे सत्ताधारी पार्टी के स्टार प्रचारकों को खुलकर नफरत भरे भाषण देने की छूट मिली, डाले गए वोटों के अंतिम प्रतिशत की घोषणा में बहुत ज्यादा विलम्ब, वोटिंग के शुरुआती प्रतिशत और वोटिंग के अंतिम आंकड़ों की देर से हुई घोषणा



के बीच अभूतपूर्व अंतर, 2024 के लोकसभा चुनावों और उसके बाद हुए राज्य विधानसभा चुनावों में बड़े पैमाने पर संदिग्ध और फर्जी वोट डाले जाने की आशंका, वोटिंग के बाद घोषित डाले गए वोटों की संख्या और 2024 के लोकसभा चुनाव की गिनती के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से मिले वोटों की संख्या के बीच भारी अंतर (दूसरे शब्दों में, फॉर्म 17सी और फॉर्म 20 के आंकड़ों

के बीच अंतरंग यह तथ्य कि वोटिंग का आतिथ्य और अंतिम चरण के वोटों के सातमें प्रतिशत लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने और विजेताओं के नाम घोषित होने के बाद बताया गया और कुछ राज्यों में विधानसभा चुनावों से ठीक पहले वोटरों का संचुन्या में असामान्य और बिना किसी स्पष्ट कारण के बढ़ोतरी। राजनीतिक विश्लेषण इन सभी गड़बड़ियों के बावजूद हमें अभी तक कमीशन के अंदर किसी मतभेद के बारे में पता नहीं चला है। बेशक, हम इसकी संभावना से इनकार नहीं कर सकते। ऐसा हो सकता है लेकिन यह बात अभी तक सामने नहीं आई है। जब तक कुछ पता नहीं चलता, हमें यह मानकर चलना होगा कि कमीशन के सभी सदस्य एक ही राय रखते थे। चल रही एपआईआर प्रक्रिया को मकसद सिर्फ किसी खास पार्टी को चुनवाए जिताना नहीं है बल्कि यह एक बहुत गहरी साजिश की ओर इशारा करती है— देश में अपनी पसंद का वोटर बेस तैयार करना। इसका मकसद भारत को एक ऐसे गणतंत्र में बदलना है जहां आबादी का सिर्फ कुछ ही हिस्सा राजनीतिक रूप से अग्र रहें। ये हिस्से गैर-अल्पसंख्यक, गैर-दलित, गैर-आदिवासी और गैर-हाशिया पर रहने वाले समुदायों के होंगे।

श्री दुर्गा पूजा महासमिति का 47वां पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। श्री दुर्गा पूजा महासमिति का 47वां पुरस्कार वितरण समारोह मां के जयकारे के साथ मुख्य अतिथि ज्ञान प्रकाश सिंह वरिष्ठ भाजपा नेता, सारस्वत अतिथि डा. आर एन त्रिपाठी पूर्व सदस्य लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश, विशिष्ट अतिथि नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मौर्य मौर्य की उपस्थिति एवं अध्यक्ष मनीष देव की अध्यक्षता में देर रात खिवार को सम्पन्न हुआ। आयोजन के प्रथम चरण में मां भगवती की प्रतिमा पर पूजनकृअर्चन करके दीप प्रज्वलन के साथ प्रारम्भ हुआ। तदुपरांत मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ, माल्यार्पण सहित अन्य मंचासीन अतिथिगण को माल्यार्पण अध्यक्ष सहित अन्य सदस्यों ने किया। इसी क्रम में महासचिव के मनीष गुप्ता ने मंचासीन अतिथियों, पूजन समितियों, लंगर समितियों, सामाजिक संगठनों सहित अन्य का स्वागत किया। इस मौके पर अन्तर्राष्ट्रीय भजन गायक रविन्द्र सिंह

रञ्ज्योतिश्, अवनीन्द्र तिवारी, कुसुमलता, आशीष पाठक ने देवी गीतों से आयोजनों को भक्तिमय कर दिया।

आयोजन की द्वितीय चरण में महासमिति के निर्णायक मंडल सदस्य डॉ. दिलीप सिंह, मीरा अग्रहरि,दिलाप जायसवाल, डा. आकांक्षा द्विवेदी के अलावा स्वयंसेवी संगठनों, धार्मिक संगठनों, लंगर समितियों, विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को विशिष्ट सम्मान प्रदान किया गया।

वक्ता के रूप में संरक्षक मण्डल के सदस्य इन्द्रभान सिंह, निखिलेश सिंह, संतोष सिंह, पूर्व अध्यक्ष शशांक सिंह, विजय सिंह बागी ने महासमिति की उपलब्धियां एवं पावन पर्व नवरात्रि दुर्गा पूजा पर प्रकाश डाला साथ ही साथ टी डी इन्टर कालेज के प्रह ानानाचार्य डा. सत्य प्रकाश सिंह के साथ दीवानी बार के अध्यक्ष अवधेश सिंह एडवोकेट ने भी सभा को संबोधि ात किया।इसी क्रम में सारस्वत अतिथि डा. आरएन त्रिपाठी ने मां दुर्गा के पूजन अनुष्ठान व दुर्गा सप्तशती पर

संक्षिप्त खबरें

पाक्सो कानून की जानकारी देकर बच्चों को सुरक्षित रहने के प्रति किया जागरूक

लखनऊ, (संवाददाता)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के तत्वावधान में गुरुवार को एसकेडी एकेडमी स्कूल, गोमती नगर में विशेष जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में छात्र-छात्राओं को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पाक्सो) 2012 के प्रावधानों, बच्चों के अधिकारों और कानूनी सुरक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देशन में प्राधि करण के सचिव कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा की अध्यक्षता में हुआ।शिविर में एसकेडी एकेडमी के प्रधानाचार्य, शिक्षिकाएं, वात्सल्य संस्था की डॉ. नीलम सिंह और पराविधिक स्वयंसेवक मौजूद रहे। सचिव कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा ने बच्चों को सरल भाषा में अच्छे और बुरे स्पर्श के बीच अंतर समझाते हुए कहा कि किसी भी अप्रिय या असहज स्थिति का सामना होने पर वे डरें नहीं और इसकी जानकारी तत्काल अपने माता-पिता, शिक्षकों अथवा संबंधित अधिाकारियों को दें। उन्होंने बच्चों को यह भी बताया कि वे ऐसी घटनाओं की शिकायत किस प्रकार दर्ज करा सकते हैं।उन्होंने पाक्सो कानून के प्रमुख प्रावधानों, बच्चों के अधिकारों, महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़ी कानूनी व्यवस्थाओं तथा कानून का उल्लंघन करने पर होने वाले कानूनी परिणामों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बच्चों को कानून की बुनियादी जानकारी होना बेहद जरूरी है। जागरूकता के अभाव में कई बार बच्चे शोषण का शिकार होने के बावजूद डर या संकोच के कारण अपनी बात किसी को नहीं बता पाते। ऐसे जागरूकता कार्यक्रम बच्चों के मन से डर करने और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।शिविर में बच्चों को काइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 के साथ पाक्सो कानून के तहत उपलब्ध कानूनी सुरक्षा और सहायता के बारे में भी बताया गया।

गन्ना समिति सदस्यता और उपज बढ़ोत्तरी के लिए किसानों को 10 अक्टूबर तक अतिरिक्त अवसर

लखनऊ, (संवाददाता)। प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों और किसान जनप्रतिनिधियों की मांग को देखते हुए पेराई सत्र 2026–27 के लिए गन्ना समिति की सदस्यता की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर 2026 तक बढ़ा दी गई है। पहले समिति सदस्यता और उपज बढ़ोत्तरी के लिए 30 सितंबर 2026 तक की समय सीमा निर्धारित की गई थी। अब ऐसे किसान, जो अभी तक गन्ना समिति के सदस्य नहीं बन पाए हैं, उन्हें वर्तमान पेराई सत्र में गन्ना आपूर्ति का लाभ लेने के लिए 10 दिन का अतिरिक्त अवसर दिया गया है।गन्ना एवं चीनी आयुक्त ने किसानों से अपील की है कि जिन किसानों ने पहली बार गन्ने की खेती की है, वे निर्धारित अवधि में गन्ना समिति के सदस्य बनकर गन्ना आपूर्ति का लाभ उठाएं और राज्य सरकार द्वारा घोषित गन्ना मूल्य पर अपनी उपज की आपूर्ति कर लाभ प्राप्त करें। अधिक से अधिक किसानों के समिति के नए सदस्य बनने से गन्ने की उपलब्धता में भी वृद्धि होगी।उन्होंने बताया कि जिन किसानों की गन्ने की उपज जिले की औसत उपज से अधिक है, वे उपज बढ़ोत्तरी के लिए अपना आवेदन 10 अक्टूबर 2026 तक जमा कर सकते हैं। उपज बढ़ोत्तरी की व्यवस्था का लाभ उन्हीं गन्ना किसानों को दिया जाएगा,।

पूजन की महता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ज्ञान प्रकाश सिंह ने महासमिति की संगठनात्मक संरचना की प्रशंसा करते हुये कहा कि शारदीय नवरात्रि की तैयारी में पूर्ण सहयोग रहेगा। अध्यक्षीय उद्बो्धन में अध्यक्ष मनीषदेव ने पूजन समितियां को आश्वास्त किया कि जनपद की किसी भी पूजन समिति को पूजन से संबंधित किसी भी प्रकार के रोड़,गली,नाली, साफ सफाई, बिजली से सम्बन्धित किसी भी प्रकार के समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। सम्मान समारोह के अंतिम चरण में वर्ष 2025 के शारदीय नवरात्र में आकर्षक सजावट के लिये पूजन समितियां को सम्मानित किया गया। धन्यवाद व आभार उपाध्यक्ष डा. विजय रघुवंशी ने व्यक्त किया। आयोजनों का संचालन महेन्द्रदेव विक्रम एवं गौरव श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर लायन्स क्लब, बोल बम कांवरिया संघ, अन्य पूजन महासमिति, मरकजी सीरत कमेटी, विशिष्ट समाजसेवी, महासमिति के संरक्षक शोभनाथ आर्य, विनोद जायसवाल, विन्ध्याचल सिंह, राधेकृष्ण ओझा, विशिष्ट सदस्य उमेश चन्द्र श्रीवास्तव, मोतीलाल यादव, अनिल अस्थाना, राकेश श्रीवास्तव, लालचन्द्र निषाद, विनोद यादव, अनिल साहू, विवेक सिंह, आशीष गुप्ता, राम प्रकाश यादव, महेश जायसवाल, रत्नेश सिंह, राजन अग्रहरि,शैलेन्द्र मिश्रा, चन्द्रशेखर गुप्ता, निशाकान्त द्विवेदी, अमित गुप्ता, सुमित उपाध्याय, संजय मोदनवाल, मयंक मिश्रा, रोशी सोनकर, विष्णु गुप्ता, धीरज जायसवाल, आशीष त्रिपाठी, दीपक श्रीवास्तव , सर्वेश

यादव, आशीष रावत, लालता सोनकर, चन्दन यादव, रवि शर्मा, मोहम्मद शाहिद, करन बिन्द, महेद्र अग्रहरि, पंचम मौर्य, ज्ञानेन्द्र दुबे, प्रिस तनेजा, यश गुप्ता, अभिषेक अग्रहरि सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। पूजन व पण्डाल व्यवस्था में प्रथम पुरस्कार श्री रासमण्डल दुर्गा पूजनोत्सव समिति, रासमण्डल, द्वितीय महाशक्ति संस्था गौशाला परिसर, तृतीय संयुक्त रूप से नवयुग संस्था श्री गोसाई रामलीला मैदान, उर्दू बाजार एवं त्याग संस्था, कидवई पार्क, कोतवाली चौराहा सांत्वना पुरस्कार जय मां शीतला दुर्गा पूजा समिति रसूलबाद को मिला। पूजन पंडाल झांकी व्यवस्था में प्रथम मां अष्टभुजी संस्था कन्हईपुर, द्वितीय न्यू कादंबरी संस्था सिपाह, तृतीय नवयुवक धर्म कल्याण समिति अहियापुर, सांत्वना पुरस्कार हनुमान समिति हनुमान धाम को मिला। दैनिक मार्ग सजावट में प्रथम मां अष्टभुजी संस्था कन्हईपुर, द्वितीय संयुक्त रूप से मायांजलि संस्था मायापुर एवं बजरंग घाट दुर्गा पूजा समिति ताड़तला, तृतीय संयुक्त रूप से भारतीय दुर्गा पूजा समिति जहांगीराबाद एवं सरस्वती ज्ञान संस्था में मधारे टोला, चतुर्थ श्री दुर्गा पूजा समिति फलवाली गली ओलन्दरगंज को मिला। ग्रामीणींचलों की पूजन व पण्डाल व्यवस्था में प्रथम बाल नवदुर्गा पूजा समिति धनियामऊ, द्वितीय संयुक्त रूप से न्यू गीतांजलि दुर्गा पूजा समिति नौपेड़वा एवं जय मां दुर्गा पूजा समिति पुरानी बाजार ६ नियामऊ, तृतीय संयुक्त रूप से नवयुवक दुर्गा पूजा समिति जाफराबाद एवं शिव मंदिर दुर्गा पूजा समिति मल्हनी बाजार सांत्वना

गोमती उफनाई तो एमार गोमती ग्रीन्स पर संकट, बढ़ते जलस्तर से चिंतित निवासी

लखनऊ, (संवाददाता)। राज्ानी लखनऊ में गोमती नदी का बढ़ता जलस्तर एमार गोमती ग्रीन्स के निवासियों के लिए चिंता का



कारण बन गया है। जलस्तर में और इजाफा हुआ तो सोझाड्टी के आसपास जलभराव की स्थिति पैदा हो सकती है। ऐसे में इलेक्ट्रिक सब-स्टेशन और अन्य विद्युत

उपकरणों की सुरक्षा को लेकर भी आरडब्ल्यूए ने प्रशासन को सतर्क करने की मांग की है। आरडब्ल्यूए ने जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन

आगरा से डॉ. आकाश अग्रवाल और गोरखपुर-फैजाबाद से संजयन लिपाठी

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव को लेकर अपने दो प्रत्याशियों में बदलाव किया है। पार्टी ने आगरा खंड स्नातक सीट से डॉ. आकाश अग्रवाल और गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. संजयन त्रिपाठी को प्रत्याशी बनाया है। इस बदलाव के बाद दोनों सीटों पर सपा के उम्मीदवार बदल गए हैं। इससे पहले सपा ने आगरा खंड स्नातक सीट से शशांक यादव और गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक सीट से कमलेश यादव को प्रत्याशी घोषित किया था। गोरखपुर-फैजाबाद सीट पर संजयन गतिविधियां तेज हैं। वह इससे पहले ने इस सीट से मौजूदा एमएलसी ६ है। टिकट नहीं मिलने के बाद लड़ने का ऐलान किया था और 2 उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 11 और 27 अक्टूबर को मतगणना होनी है। अखिलेश यादव ने कहा कि 2024 में समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन ने भाजपा को हराया है। इस बार पीडीए की ताकत के सामने भाजपा कहीं नहीं टिक पायेगी। समाजवादी पार्टी के पीडीए में प्रेम, दया, अपनापन है। समाजवादी पार्टी हर दुखी, पीड़ित, अपमानित के साथ खड़ी है। भाजपा ने समाज के हर तबके को अपमानित किया। शोषण किया है और धोखा दिया है। अखिलेश यादव ने कहा कि नई पीढ़ी और जेन-जी के पास नौकरी, रोजगार नहीं है। बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। नई पीढ़ी भाजपा से नाराज है। उत्तर प्रदेश में भाजपा का सफाया होना तय है। उन्होंने कहा कि भाजपा कभी भी समाजवादी पार्टी के विकास कार्यों का मुकाबला नहीं कर सकती है।

ग्राम पंचायतों में आधार सेवा केंद्र और डिजिटल सुविधाओं के विस्तार को गति देने के निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश की ग्राम पंचायतों में डिजिटल सुवि्धाओं का विस्तार कर ग्रामीण नागरिकों को स्थानीय स्तर पर तकनीक आ्धारित सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पंचायती राज विभाग की ओर से प्रयास तेज किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर की अध

यक्षता में बुधवार को विधान भवन स्थित कक्ष संख्या-62 में बैठक हुई। इसमें ग्राम पंचायतों में डिजिटल सेवाओं के विस्तार से जुड़ी योजनाओं की प्रगति और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में पंचायती राज मंत्री ने प्रदेश की ग्राम पंचायतों में आधार सेवा केंद्र स्थापित करने की दिशा में आवश्यक

पुरस्कार संयुक्त रूप से नवीन बाल संस्था गौराबादशाहपुर, जय मां विंध्यवासिनी दुर्गा पूजा समिति खेतासराय एवं आदि शक्ति संस्था, गौराबादशाहपुर को मिला। ग्रामीणांचल दैनिक मार्ग सजावट में प्रथम जय बजरंग दुर्गा पूजा समिति नौपेड़वा, द्वितीय जय मां विंध्यवासिनी संस्था खेतासराय, तृतीय संयुक्त रूप से जय मां दुर्गा पूजनोत्सव समिति,धनियामऊ एवं बाल दुर्गा पूजनोत्सव समिति, खेतासराय सांत्वना पुरस्कार संयुक्त रूप से श्री राम जानकी मंदिर दुर्गा पूजा समिति बेलापार, नौपेड़वा एवं नव शक्ति दुर्गा पूजा समिति खेतासनाएं को मिला। विजयदशमी के दिन विसर्जन के लिये निकलने वाली ऐतिहासिक मां की भव्य विर्जरजन शोभायात्रा में प्रथम पुरस्कार गीतांजलि संस्था जागेश्वर नाथ, द्वितीय पुष्पांजलि संस्था, अलफस्टीनगंज, तृतीय संयुक्त रूप से कल्याण संस्था डडियाना टोला एवं सरस्वती बालज्ञानसंस्था ढालगर टोला, सांत्वना पुरस्कार नव युवक संस्था,मारवाडी धर्मशाला। शोभायात्रा में झांकी व्यवस्था में प्रथम श्री दुर्गा पूजा समिति फलवाली गली ओलन्दरगंज, द्वितीय मां का दरबार बाल संस्था ओलन्दरगंज, तृतीय संयुक्त रूप से बाबा बर्फानी दुर्गा पूजा समिति, एडवोकेट कॉलोनी एवं कल्याण संस्थान डडियाना टोला, सांत्वना पुरस्कार महाशक्ति संस्था, गौशाला परिसर को मिला। उक्त जानकारी महासमिति के मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव, सर्वेश यादव और अभिषेक अग्रहरी द्वारा संयुक्त रूप से दिया गया।

महिला कबड्डी टीम पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए रवाना

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए खिवार देर शाम बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के लिए रवाना हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और हरी झंडी दिखाकर टीम को रवाना किया। इस अवसर पर कुलपति ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल केवल पदक हासिल करने का माध्यम नहीं है, बल्कि इससे अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में पूरे आत्मविश्वास, अनुशासन और खेल भावना के साथ



बेहतर प्रदर्शन करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास जताया कि विश्वविद्यालय की महिला खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से विश्वविद्यालय और जनपद का नाम रोशन करेंगी। टीम के रवाना होने के दौरान खिलाड़ियों में उत्साह और आत्मविश्वास दिखाई दिया। टीम का लक्ष्य प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय

के लिए पदक हासिल करना है।

इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. गिरिधर मिश्र, राधेश्याम सिंह, रजनीश सिंह और प्रशिक्षक विजय प्रकाश सहित खेलकूद विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे। विश्वविद्यालय परिवार ने टीम को प्रतियोगिता में सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

एनएच-233 के 16 किमी हिस्से में भारी वाहनों की नो-एंट्री की मांग

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग-233 के जौनपुर क्षेत्र में लगातार हो रहे सड़क हादसों को देखते हुए पूर्वांचल किसान संगठन ने घनी आबादी वाले करीब 16 किलोमीटर हिस्से में भारी वाहनों की नो-एंट्री लागू करने की मांग की है। सोमवार को संगठन के अध्यक्ष अजीत सिंह के नेतृत्व में दो दर्जन से अधिक किसानों ने एसपी को संबोधित ज्ञापन सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता को सौंपा। अध्यक्ष अजीत सिंह ने कहा कि एनएच-233 के जौनपुर क्षेत्र में लगातार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। संगठन का दावा है कि इन हादसों में अब तक करीब 500 लोगों की जान जा चुकी है। उन्होंने कहा कि वाराणसी और आजमगढ़ की ओर से आने वाले ट्रकों, डंपरों और अन्य भारी वाहनों की आवाजाही के कारण घनी आबादी वाले इस हिस्से में दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। उन्होंने कहा कि जनपद में राष्ट्रीय राजमार्ग का करीब 16



किलोमीटर हिस्सा अभी पूरा नहीं हुआ है। ऐसे में इस मार्ग से गुजरने वाले भारी वाहनों के लिए तत्काल नो-एंट्री व्यवस्था लागू किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मांग का उद्देश्य परिवहन व्यवसाय को बाधित करना नहीं, बल्कि मानव जीवन की सुरक्षा और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है। संगठन ने कहा कि सड़क हादसों से केवल जान-माल का नुकसान नहीं होता,

बल्कि परिवारों की आर्थिक स्थिति और देश की उत्पादकता पर भी असर पड़ता है। किसानों ने प्रशासन से दुर्घटना संभावित इस हिस्से में भारी वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने और सड़क सुरक्षा के प्रभावी उपाय लागू करने की मांग की। अजीत सिंह ने कहा, प्जान बचेगी तो परिवार बचेगा, श्रमशक्ति बचेगी और श्रमशक्ति बचेगी तो अर्थव्यवस्था मजबूत रहेगी।

अजय राय हत्याकांड में वादी से हुई जिरह,अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 14 अक्टूबर की तिथि निर्धारित की

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर, 05 अक्टूबर। आजमगढ़ के ब्लॉक प्रमुख अजय राय हत्याकांड में सोमवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) सप्तम सुरेंद्र प्रताप यादव की अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान मामले के वादी मुकदमा संजय राय से जिरह की गई। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 14 अक्टूबर 2026 की तिथि निर्धारित की है। सुनवाई के दौरान वादी पक्ष की ओर से अधिवक्ता अवधेश कुमार सिंह, राजेश कुमार राठौर, राकेश सिंह और संजय सिंह उपस्थित रहे। दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं ने अदालत में अपनी-अपनी पैरवी की। अदालत में सुनवाई के दौरान वादी पक्ष के अधिवक्ताओं और समर्थकों की भीड़ रही। अभियोजन के अनुसार, अजय राय की वर्ष 2003 में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इससे पूर्व भी उन पर जानलेवा हमला हुआ था, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हुए थे। मामले में अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी।



अनुसार, अजय राय की वर्ष 2003 में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इससे पूर्व भी उन पर जानलेवा हमला हुआ था, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हुए थे।

मामले में अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी।

विद्युत केबल और ट्रांसफार्मर की कॉपर क्वायल चोरी करने वाले चार गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। मलिहाबाद पुलिस ने विद्युत केबल, तार और ट्रांसफार्मर की कॉपर क्वायल चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर 25 मीटर एबीसी विद्युत केबल, करीब 40 किलोग्राम कटी हुई एबीसी केबल, करीब 200 मीटर एल्युमिनियम विद्युत तार तथा ट्रांसफार्मर की 10 कॉपर क्वायल बरामद की हैं, जिनका कुल वजन करीब 201 किलोग्राम है। पुलिस के अनुसार गिरोह के तीन अन्य सदस्य मौके से फरार हो गए।पुलिस के

मुताबिक 27 सितंबर की रात ग्राम पाठकगंज नेजामाारी स्थित एक नर्सरी के ट्यूबवेल से अज्ञात चोरों ने एबीसी विद्युत केबल, स्टार्टर केबल और सोलर लाइट चोरी कर ली थी। मामले में जगदीश प्रसाद शुक्ल की तहरीर पर थाना मलिहाबाद में मुकदमा अपराध संख्या 185६2026 ६ गरा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे और आरोपियों का गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार तलाश और दबिश दे रही थी। इसी क्रम में एक अक्टूबर को मुखबि्र की सूचना पर मलिहाबाद पुलिस ने

बड़ीगढ़ी रोड स्थित समदा तालाब के पास आम के बाग की झाड़ियों में घेराबंदी की। पुलिस को देखकर तीन लोग मौके से भाग निकले, जबकि चार संदिग्धों को पकड़ लिया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान रंजीत यादव, मनोज यादव, शिवा उर्फ तन्नु यादव और मोनु यादव के रूप में हुई। पूछताछ और उनकी निशानदेही पर झाड़ियों में छिपाकर रखा गया विद्युत संबंधी चोरी का सामान बरामद किया गया।पुलिस के अनुसार बरामद 25 मीटर एबीसी केबल और करीब 40 किलोग्राम कटी हुई।

रामनगरी में सक्रिय फर्जी गाइड गैंग के सदस्य होटल व दर्शन के नाम पर श्रद्धालुओं से कर रहे वसूली



(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) अयोध्या।रामनगरी में बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को होटल और मंदिरों में दर्शन कराने की सुविधा के नाम पर कथित गाइडों द्वारा संपर्क

का दावा किया जा रहा है।स्थानीय लोगों और कुछ श्रद्धालुओं के अनुसार,बाहर के नंबर वाले वाहनों को देखकर कुछ युवक यात्रियों से संपर्क कर होटल उपलब्ध कराने और राम मंदिर, हनुमानगढ़ी समेत अन्य प्रमुख मंदिरों के दर्शन कराने की पेशकश करते हैं। आरोप है कि कई मामलों में इसके लिए दो से तीन हजार रुपये तक की रकम मांगी जाती है।वही भुगतान को लेकर श्रद्धालुओं और कथित गाइडों के बीच विवाद तथा मारपीट की नौबत आने की शिकायतें भी सामने आई हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि इनमें कुछ लोग अधिकृत गाइड नहीं हैं और उनके पास गाइडिंग का वैध लाइसेंस भी नहीं है।स्थानीय लोगो व श्रद्धालुओं की सुरक्षा,सुविधा और शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर ऐसे लोगों की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने की मांग उठ रही है।एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने कहा कि पुलिस ऐसे इस गिरोह में शामिल अवैध व बिना लाइसेंस के सक्रिय समेत प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में ऐसे लोगों की सक्रियता

गेट पर भीड़, फूल–माला और रील बनाकर सोशल मीडिया पर शो

गोरखपुर, (संवाददाता)। जेल का दरवाजा खुला... बंदी बाहर निकला... और सामने मोबाइल कैमरे लिए समर्थकों की भीड़। कोई फूल–माला लेकर पहुंचा है तो कोई स्वागत का वीडियो बना रहा है। कुछ ही देर में वीडियो सोशल मीडिया पर रील बनकर सामने आता है और शुरु हो जाता है।मौकाल का खेल। गोरखपुर में जेल से रिहाई के बाद इस तरह रील बनाकर सोशल मीडिया पर डालने का चलन बढ़ता नजर आ रहा है। रिहाई के दौरान बंदी के बाहर निकलने से लेकर समर्थकों के स्वागत और वाहनों के काफिले तक को कैमरे में कैद किया जा रहा है। वीडियो में बैकग्राउंड म्यूजिक और संवाद जोड़कर उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट किया जाता है। लाइक और शेयर के जरिये वीडियो की पहुंच बढ़ती है। कई मामलों में जेल से बाहर निकलने



के बाद समर्थकों की भीड़ भी जुट रही है। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में दो छात्र गुटों के विवाद के बाद दर्ज लूट और धमकी के मामले में आरोपी छात्र नेता सतीश प्रजापति को 25 सितंबर को जमानत मिली थी। देर शाम वह जेल से बाहर निकला। कैंट पुलिस ने सतीश को शांतिभंग की आशंका में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। रिहाई के बाद समर्थकों ने उसका स्वागत किया और रिहाई का वीडियो बनाया। इसे रील के रूप में सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया। भाजपा नेता और पूर्व उपसभापति बृजेश सिंह छोटू को जान से मारने की धमकी देने के मामले में आरोपी रजत चौधरी 15 सितंबर को जेल से रिहा हुआ था। जेल से बाहर निकलते समय उसके आसपास दोस्त और परिचित मौजूद थे। रजत की रिहाई का वीडियो भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया था। वीडियो पर लोगों ने तेजी से लाइक और शेयर किए। पुलिस ने इसे दुराचारी घोषित करते हुए हिस्ट्रीशीटर भी बनाया है। गोरखपुर में यह पहला मामला नहीं है। मई 2026 में जेल से जमानत पर बाहर आए एक आरोपी के स्वागत में समर्थकों ने वाहनों के काफिले के साथ रोड़ शो निकाला था।

सरकारी जमीन पर लगे पेड़ बेचने का आरोप

गोरखपुर, (संवाददाता)। थाना क्षेत्र के झंगहा गांव स्थित खेल मैदान की सरकारी जमीन पर लगे पेड़ को कटवाकर ढाई लाख रुपये में बेचने का मामला सामने आया है। ग्राम प्रशासक रामबेलास यादव ने झंगहा पुलिस को तहशेर देकर कार्रवाई की मांग की है। प्रशासक के अनुसार 30 सितंबर को गांव के कुछ लोग सरकारी जमीन पर लगे पेड़ को कटवा रहे थे। जानकारी मिलने पर उन्होंने डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और पेड़ न काटने और कटे हुए पेड़ को उपजिलाधिकारी के आदेश के बिना नहीं बेचने की बात कही। आरोप है कि इसके बावजूद पेड़ को काटकर करीब ढाई लाख रुपये में बेच दिया गया।

दिव्यांगों को निशुल्क भोजन, यूजी–पीजी और डिप्लोमा छात्रों को हर साल दिए जाएंगे 9000 रुपये

वाराणसी, (संवाददाता)। बीएचयू में अब दिव्यांग छात्रों को फ्री और गरीब–मेधावियों को रियायती रेट पर खाना मिलेगा। 70 रुपये में एक दिन यानी कि दोनों वक्त के भोजन की व्यवस्था होगी। दूसरी ओर आम यूजी–पीजी विद्यार्थी को अर्न ढ्वाइल लर्न स्कीम की मदद से हर साल 9000 रुपये दिए जाएंगे। इसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति के साथ जोड़ा गया है। देख–सुन न पाने वाले छात्रों को 10 हजार रुपये की वार्षिक आर्थिक सहायता दी जाएगी। अंत्योदय अन्न योजना

शहर के दो तैराक करेगे देश का प्रतिनिधित्व

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोरखपुर के तैराक अंजनी कुमार मिश्र और अवनीश कुमार सिंह द्वितीय एशियन मास्टर्स तैराकी चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। बंगलुरु में चार से 10 अक्तूबर तक होने वाली इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में एशिया के विभिन्न देशों के मास्टर्स तैराक हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से पादुकोण–द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में किया जा रहा है। जिला जल क्रीड़ा संघ के अध्यक्ष नंदू मिश्रा ने बताया कि अंजनी कुमार मिश्र पूर्वोत्तर रेलवे में उप मुख्य टिकट निरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। वह तैराकी कोच होने के साथ जिला जल क्रीड़ा संघ के महासचिव भी हैं। वहीं, अवनीश कुमार सिंह सेंट्रल रेलवे, मुंबई में कार्यरत हैं। दोनों तैराक जिले की समृद्ध तैराकी परंपरा से जुड़े परिवारों से आते हैं। अंजनी कुमार मिश्र के बाबा स्व. रामजी मिश्र को जिले में तैराकी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए तैराकी का भीष्म पितामह कहा जाता है। अवनीश कुमार सिंह के पिता स्व. शैलेश सिंह भी अच्छे तैराक रहे हैं। दोनों के एशियन मास्टर्स चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने पर पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के महासचिव अक्षय मिश्रा, सहायक क्रीड़ाधिकारी व भारतीय कुश्ती टीम के कोच चंद्रविजय सिंह, जिला जल क्रीड़ा संघ के उपाध्यक्ष शरद मिश्रा, क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी राजेश सोनकर, संतोष प्रजापति, संज्या यादव, भूपेंद्र भास्कर यादव, प्रमोद यादव, मोहन शुक्ला समेत खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

(एएवाई) धारक विद्यार्थियों को 25 हजार रुपये हर साल होगी। शुक्रवार को कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को नये घोषणाएं कीं। बीएचयू में शुक्रवार को गांधी–शास्त्री जयंती पर छात्र कल्याण स्कीम जारी कर बताया गया कि दिव्यांगों को शुक्रवार से लेकर 30 जून 2027 कुल नौ महीने या जब तक परीक्षा समाप्त नहीं होगी तब तक फ्री भोजन मिलेगा। मेधावियों और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को हर दिन 70 रुपये में भोजन मिलेगा। संकाय की ओर से भेजे गए डिटेल के आधार पर ही छात्रों को 30 जून 2027

तक यह सुबिधा मिलेगी। इसके अलावा विद्यार्थियों के मामलों के लिए समिति बनेगी। इसमें छात्र क्लब के माध्यम से होने वाले सभी करिकुलर गतिविधियों को पूरा करने के लिए स्टैंडिंग कमेटी बनाई जाएगी। इसके अलावा दिव्यांग छात्रों को सिलार्ड मशीन प्रशिक्षण कार्यक्रम और ऐसे सभी विद्यार्थियों को जरूरी उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। शुक्रवार को मालवीय भवन में गांधी–शास्त्री जयंती कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़े कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि गांधी जी का जीवन सिर्फ अहिंसा तक सीमित नहीं था,।

20 दिनों से छावनी क्षेत्र में दहशत बना तेंदुआ नहीं फसा वन विभाग के पिंजरे में



अयोध्या।पिछले 20 दिनों से छावनी क्षेत्र में तेंदुआ की दस्तक से दहशत बनी हुई है।देखा जाए तो वन विभाग के मुताबिक पिछले 20 दिनों पहले छावनी क्षेत्र के मीरानघाट से गुप्तार घाट तक इस तेंदुए की चहल कदमी देखी गई है यहां तक कि यह तेंदुआ कई बार सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो चुका है लेकिन अभी तक वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजड़े मे नहीं आया है। जिसके चलते यहां के स्थानीय लोगों में काफी दहशत बना हुआ है। इस

क्षेत्र में शाम होते ही लोग भयभीत हो जाते हैं बच्चे महिलाएं सहित अन्य लोग अपने–अपने घरों में कैद हो जाते हैं वही कुछ लोग अपने बकरियां और मवेशियों की सुरक्षा के लिए समूह में डंडे टॉच लेकर गस्त भी कर रहे है। वहां के स्थानीय लोगों के साथ–साथ आने वाले कुछ दिनों में दुर्गा पूजा संपन्न होने के बाद प्रतिमाएं भी मीरानघाट में विसर्जित होगी। जिसको लेकर कई लोग इस तेंदुए के चलते खरे हुए हैं। वहां के स्थानीय लोगों का भी

श्राद्धपक्ष में रेडक्रॉस करेगा लावारिस मृतात्माओं की मुक्ति के लिए हवन तर्पण की मानवता का कार्य’



‘ब्यूरो रिपोर्ट जनार्दन श्रीवास्तव ‘शाहजहाँपुर’ सर्वपितृ अमावस्या के दिन 10 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा अज्ञात एवं लावारिस दिवंगत आत्माओं की आत्मशांति एवं मुक्ति की कामना से हवन एवं श्राद्ध–तर्पण किया जाएगा। यह आयोजन मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय प्रांगण में स्थित इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी कार्यालय में होगा। इस अवसर पर दिवंगत आत्माओं की शांति एवं मुक्ति की कामना से हवन–पूजन, श्राद्ध–तर्पण, पिंडदान, जलदान, दीपदान एवं पुष्प अर्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया जाएगा। साथ

ही शांति प्रार्थना भी होगी। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ विजय जौहरी ने कहा कि सर्वपितृ अमावस्या सभी पितरों के स्मरण और श्रद्धा का अवसर है। इसी भावना से उन अज्ञात एवं लावारिस दिवंगतों को भी याद किया जा रहा है, जिनके अंतिम समय में कोई अपना साथ नहीं था और जिनकी मृत्यु के बाद भी उनके लिए आत्मशांति की प्रार्थना करने वाला कोई नहीं रहा।उन्होंने कहा, “जिनका अंतिम समय में कोई अपना नहीं था, उनकी आत्मशांति और मुक्ति की कामना में आज मानवता उनके साथ है। एक दीप, एक बूंद जल, एक पुष्प और श्रद्धा से की गई प्रार्थना

उनके प्रति हमारी संवेदना का प्रतीक है।” डॉ विजय जौहरी ने रेडक्रॉस कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों, सामाजिक संगठनों एवं जनसामान्य से इस मानवीय पहल में सहभागी बनने और अधिक से अधिक लोगों तक इसका संदेश पहुंचाने की अपील की। जिनका कोई अपना नहीं था, सर्वपितृ अमावस्या पर उनके लिए मानवता अपना हाथ बढ़ाएगीकृआत्मशांति और मुक्ति की कामना के साथ। इस अवसर पर पूर्व सभासद प्रशांत कुमार सक्सेना,अवनीश सक्सेना, बृजेश गुप्ता, बाल कृष्ण पाण्डेय आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ विजय जौहरी ने सभी से सहयोग की अपेक्षा की।

पुलिस हिरासत में आरोपी की मौत, अमरोहा का था रहने वाला, डेढ़ विंटल गांजा के साथ पकड़ा गया था

गोरखपुर, (संवाददाता)। खुर्खुदू थाना क्षेत्र में डीसीएम से करीब डेढ़ विंटल गांजा बरामद होने के बाद पूछताछ के लिए हिरासत में लिए गए चालक की शनिवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। तबीयत बिगड़ने पर पुलिस उसे महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज के ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान ब्रजपाल उर्फ विक्की, उम्र 38 वर्ष, निवासी

सोनडाला फरीदपुर, थाना अमरोहा देहात, जिला अमरोहा के रूप में हुई। गांजा बरामदगी के बाद शुक्रवार से पुलिस उससे पूछताछ कर रही थी। मौत की सूचना पर परिजन भी मेडिकल कॉलेज पहुंचे और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की। शुक्रवार को देवरिया की तरफ से एक डीसीएम खुर्खुंदू चौराहे पर पहुंची थी। पुलिस को देखकर चालक वाहन को नूनखार मार्ग की तरफ तेज रफ्तार

में लेकर भागने लगा। संदेह होने पर पुलिस टीम ने पीछा किया। खुर्खुंदू थाने से करीब 500 मीटर आगे बैरीकेडिंग कर डीसीएम को रोक लिया गया। पुलिस के अनुसार, वाहन रुकते ही चालक समेत उसमें मौजूद लोग भागने लगे। पुलिस ने एक व्यक्ति को पकड़ लिया। डीसीएम की तलाशी में अंदर छिपाकर रखा करीब डेढ़ विंटल गांजा बरामद हुआ। चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही थी।

पुलिस मुठभेड़ में गोकशी के दो आरोपी गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली, दो भागे

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोरखपुर के गोला थाना क्षेत्र में मालहनपार रोड़ स्थित चीनी मिल के पास शनिवार भोर करीब 4:30 बजे पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार, दो बाइक से पहुंचे चार वांछित बदमाशों ने पुलिस टीम को देखते ही तमंचे से फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लग गई जबकि बाइक चला रहा उसका साथी गिरकर घायल हो गया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान दूसरी बाइक पर सवार दो बदमाश फरार हो गए। घायल आरोपी की पहचान सिकरीगंज थाना क्षेत्र के इमलीडीह खुर्द निवासी अब्दुल रहमान उर्फ राजू के रूप में हुई। उसके चाचा नूरुल हसन को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अब्दुल रहमान को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार सुबह निरंकार आश्रम के पास खेत में गोवंशीय पशुओं के क्षत–विक्षत अवशेष मिलने के बाद अज्ञात के खिलाफ गोधब् निवारण अधिनियम में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना से नाराज ग्रामीणों ने गोला–कौडीराम मार्ग पर प्रदर्शन कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी। पुलिस ने सीडीआर के जरिये संदिग्धों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू की थी। पुलिस का दावा है कि गिरफ्तार आरोपी एक कसाई की मदद से आवारा गोवंश को काटकर मांस बेचने का काम करते थे। एसपी साउथ दिनेश पूरी ने बताया कि एक आरोपी के पैर में गोली लगी है जिसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

अयोध्या में समाजवादी पार्टी का जोरदार विरोध प्रदर्शन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।अयोध्या में समाजवादी पार्टी का जोरदार विरोध प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सपा कार्यकर्ता सड़क पर उतरे।सपा कार्यकर्ताओं का हजूम गांधी पार्क से



कचहरी के लिए रवाना हुआ,प्रदर्शन का नेतृत्व सपा सांसद अवधेश प्रसाद और पूर्व मंत्री पवन पांडे ने किया, इस दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूँका।प्रदर्शनकारियों ने चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची को लेकर सवाल उठाए। सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर गंभीर आरोप लगाए। अवधेश प्रसाद ने कहा कि जिस तरह राम मंदिर में चंदा चोरी हो रही है, उसी तरह वोटों की चोरी हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भाजपा से मिलकर वोटों की चोरी करवा रहे हैं, अवधेश प्रसाद ने मांग की कि मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाया जाए या फिर वह खुद इस्तीफा दें।

इनायतनगर में छात्रा का कमरे में पंखे के हुक से लटका मिला शव

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। इनायतनगर थाना क्षेत्र के रमपुरवा गांव में रविवार देर रात एक 20 वर्षीय छात्रा का शव घर के बंद कमरे में पंखे के हुक से लटका मिला।घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का ताला तोड़कर शव को नीचे उतरवाया। पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।रमवापुर निवासी अजय कुमार की 20 वर्षीय बेटी मनीषा कुशवाहा क्रूरर स्थित डॉ. लोहिया महिला महाविद्यालय में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। परिजनों के मुताबिक अजय कुमार राजगीर मिस्त्री हैं और रविवार सुबह काम पर चले गए थे। वहीं, मनीषा भी खेत में काम करने गई थी।शाम को जब परिवार के लोग घर लौटे तो मनीषा घर पर नहीं मिली। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बावजूद जब उसका कोई पता नहीं चला तो परिवार के लोग चिंतित हो गए।बाद में परिजनों ने बंद कमरे के झरोखे से अंदर देखा तो मनीषा पंखे के हुक से लटकी के सहारे लटकी हुई दिखाई दी। यह देखकर परिवार में चीख–पुकार मच गई। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए।सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने वीडियोग्राफी कराते हुए कमरे का ताला खुलवाया और शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने जांच के दौरान परिजनों के मोबाइल नंबरों से जुड़ी जानकारी की भी पड़ताल शुरू की है। प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह ने बताया कि छात्रा की मौत के कारण अभी स्पष्ट नहीं हैं और मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।[ग्रामीणों के अनुसार मनीषा छह भाई–बहनों में तीसरे नंबर पर थी। उसकी दो बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है।घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है।

स्पेशल टीईटी परीक्षा नहीं दे पाएंगे शिक्षामित्र

प्रयागराज, (संवाददाता)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में स्पेशल टीईटी (टीईटी) परीक्षा से शिक्षा मित्रों को बाहर रखने संबंधी सरकार के फैसले को वैध ठहराते हुए 221 शिक्षामित्रों की याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान एकलपीठ ने गुरुवार को वसीम अहमद व 220 अन्य शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज को स्पेशल टीईटी कराने का निर्देश दिया और तीन सितंबर 2026 को विज्ञापन जारी हुआ। इसके तहत परीक्षा तीन नवंबर 2026 से प्रस्तावित है। याचियों की शिकायत थी कि शासनादेश में स्थानीय निकाय के शिक्षकों, राज्य सरकार या बेसिक शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त संस्थानों के शिक्षकों, एडेड स्कूलों के शिक्षकों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए संविदाध्दैनिक वेतन पर लगे विशेष शिक्षकों को तो स्पेशल टीईटी में शामिल किया गया, लेकिन उन्हें नहीं। याची पक्ष ने तर्क दिया कि सुप्रीम कोर्ट ने अंजुमन इशात–ए–तालीम ट्रस्ट बनाम महाराष्ट्र मामले में टीईटी अनिवार्य किया और इन–सर्विस शिक्षकों को टीईटी उत्तीर्ण करने के लिए 31 अगस्त 2028 तक का समय दिया है। ऐसे में उन्हें भी मौका मिलना चाहिए। यह वर्गीकरण संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन है और भेदभावपूर्ण है। राज्य सरकार और कमीशन की ओर से कहा गया कि स्पेशल टीईटी आरटीई एक्ट की धारा 23 और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में केवल इन–सर्विस शिक्षकों के लिए लाया गया है। शिक्षामित्र नियमित शिक्षक नहीं हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक	देश की उपासना
स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मो0 – 7007415808 , 9415034002 Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com	
समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।	